

पाठ 19

1. नूह के बाद पैदा हुए लोग कौन थे?

-वे तुम्हारे पूर्वज और मेरे पूर्वज थे।

2. क्या हमारे पूर्वजों को परमेश्वर के बारे में पता था?

-हां।

3. हमारे पूर्वजों को परमेश्वर के बारे में कैसे पता चला?

-सबसे पहले बड़ों ने छोटे लोगों को परमेश्वर और बाढ़ के बारे में बताया।

4. बड़े लोगों ने छोटे लोगों को परमेश्वर और जलप्रलय के बारे में क्या बताया?

-कि परमेश्वर पाप से घृणा करता है, और इसलिए, उसने नूह और उसके परिवार को छोड़कर सभी लोगों को नष्ट कर दिया।

5. हमारे पूर्वजों को परमेश्वर के बारे में और कैसे पता चला?

-दूसरा, इंद्रधनुष ने हमारे पूर्वजों को परमेश्वर के बारे में बताया।

6. इंद्रधनुष ने हमारे पूर्वजों को परमेश्वर के बारे में क्या बताया?

-कि परमेश्वर लोगों से प्रेम करता है, और वह पृथ्वी को फिर कभी बाढ़ से नष्ट नहीं करेगा।

7. हमारे पूर्वजों को परमेश्वर के बारे में और कैसे पता चला?

-तीसरा, हमारे पूर्वज परमेश्वर के बारे में जानते थे क्योंकि आकाश, पहाड़ों, नदियों और पेड़ों ने उन्हें परमेश्वर के बारे में बताया था।

8. आकाश, पहाड़ों, नदियों और पेड़ों ने हमारे पूर्वजों को परमेश्वर के बारे में क्या बताया?

-कि केवल ईश्वर ही ईश्वर है, और लोगों को केवल ईश्वर का अनुसरण करना चाहिए।

9. क्या हमारे अधिकांश पूर्वज परमेश्वर में विश्वास करते थे?

-नहीं।

-हमारे कुछ पूर्वज ही परमेश्वर में विश्वास करते थे।

10. परमेश्वर का अनुसरण करने के बजाय, हमारे अधिकांश पूर्वजों ने किसका अनुसरण किया?

-हमारे अधिकांश पूर्वजों ने शैतान और उसके झूठ का अनुसरण किया।

11. शैतान ने हमारे पूर्वजों से क्या करने को कहा?

- सूर्य, चंद्रमा और सितारों की पूजा करें।

-आत्माओं की पूजा करने के लिए।

-लोगों और जानवरों की तरह दिखने वाली नक्काशीदार लकड़ी और चट्टान की पूजा करना।

12. परमेश्वर क्यों नहीं चाहता था कि सभी लोग एक जगह एक साथ रहें?

-ताकि वे ईश्वर को न भूलें और उनके पाप बहुत हो जाएं।

13. लोगों ने बाबेल में एक लंबा टॉवर क्यों बनाना शुरू किया?

-क्योंकि लोगों को बहुत गर्व था।

-क्योंकि लोग अपना नाम कमाना चाहते थे।

14. जब लोगों ने ऊँचे गुम्मत को बनाना शुरू किया, तो क्या परमेश्वर ने देखा?

-हां।

15. क्या परमेश्वर सभी लोगों के सभी विचारों को जानता है?

-हां।

-इससे पहले कि कोई एक विचार भी सोचने लगे, परमेश्वर उसके सभी विचारों को पूरी तरह से जानता है।

16. क्या परमेश्वर सभी लोगों के सभी वचनों को जानता है?

-हां।

-इससे पहले कि कोई कुछ कहना शुरू करे, परमेश्वर उसके सभी शब्दों को पूरी तरह से जानता है।

17. क्या परमेश्वर सभी लोगों के सभी कार्यों को जानता है?

-हां।

-इससे पहले कि कोई कुछ करना शुरू करे, परमेश्वर सब कुछ जानता है जो वह पूरी तरह से करने जा रहा है.

18. क्या परमेश्वर लोगों के बारे में भूल जाते हैं?

-परमेश्वर कभी नहीं भूलते कि लोग क्या सोचते हैं।

-परमेश्वर कभी नहीं भूलते कि लोग क्या कहते हैं।

-परमेश्वर कभी नहीं भूलते कि लोग क्या करते हैं।

19. क्योंकि हमारे पूर्वजों ने परमेश्वर की आज्ञा की, परमेश्वर ने उन्हें दंडित करने का फैसला किया। परमेश्वर ने क्या सजा दी थी?

-परमेश्वर ने लोगों को अलग-अलग भाषाएं दीं ताकि लोग एक-दूसरे को समझ न सकें।

20. परमेश्वर ने सभी लोगों को अलग-अलग भाषाएं देने के बाद, उसने और क्या किया?

-परमेश्वर ने सभी लोगों को पृथ्वी पर अलग-अलग स्थानों पर बिखेर दिया।

21. आपके पूर्वज आखिर यहां कैसे पहुंचे?

-कई सालों के बाद वे यहां पैदल और नाव से आए।

- हमारे पूर्वजों ने जो नूह के बाद रहते थे, उन्होंने परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन किया, और बाबेल में ऊंचे टॉवर का निर्माण किया।

-उन्होंने शैतान के झूठ का अनुसरण किया, न कि परमेश्वर के सत्यों का।

-उन्होंने अपने तरीके से पीछा किया, और परमेश्वर को खारिज कर दिया।

-भले ही हमारे पूर्वजों ने परमेश्वर को अस्वीकार कर दिया, क्या परमेश्वर ने लोगों को बचाने की अपनी योजना को छोड़ दिया?

-नहीं।

-भले ही हमारे पूर्वजों ने परमेश्वर को अस्वीकार कर दिया, क्या परमेश्वर ने उद्धारकर्ता को भेजने की अपनी योजना को छोड़ दिया?

-नहीं।

-अगर परमेश्वर वादा करता है, तो वह हमेशा अपना वादा रखता है।

-अदन के बाग में, परमेश्वर ने आदम और हव्वा को उद्धारकर्ता भेजने का वादा किया।

-परमेश्वर अपना वादा नहीं तोड़ेंगे।

-परमेश्वर ने सेठ और हनोक और नूह से उद्धारकर्ता को भेजने का वादा किया।

-परमेश्वर अपना वादा नहीं तोड़ेंगे।

-हालांकि हमारे पूर्वजों ने परमेश्वर को अस्वीकार कर दिया, परमेश्वर ने उद्धारकर्ता को भेजने की अपनी योजना को नहीं छोड़ा।

-हालांकि हमारे पूर्वजों ने परमेश्वर को अस्वीकार कर दिया, फिर भी परमेश्वर लोगों को पाप से बचाने के लिए उद्धारकर्ता को भेजना चाहते थे।

-भले ही हमारे पूर्वजों ने परमेश्वर को अस्वीकार कर दिया, फिर भी परमेश्वर लोगों को मृत्यु से बचाने के लिए उद्धारकर्ता को भेजना चाहता था।

-भले ही हमारे पूर्वजों ने परमेश्वर को अस्वीकार कर दिया, फिर भी परमेश्वर लोगों को शैतान से बचाने के लिए उद्धारकर्ता को भेजना चाहता था।

-क्या लोग परमेश्वर को उद्धारकर्ता भेजने से रोक सकते हैं?

-नहीं।

-क्या राक्षस परमेश्वर को उद्धारकर्ता भेजने से रोक सकते हैं?

-नहीं।

-क्या शैतान परमेश्वर को उद्धारकर्ता भेजने से रोक सकता है?

-नहीं।

-परमेश्वर को उद्धारकर्ता भेजने से कौन रोक सकता है?

-कोई नहीं।

-जब परमेश्वर ने उद्धारकर्ता को भेजने का फैसला किया, तो परमेश्वर को कोई नहीं रोक सकता।

-चूंकि हमारे कई पूर्वजों ने परमेश्वर को अस्वीकार कर दिया, परमेश्वर ने एक व्यक्ति को चुनने का फैसला किया जिसके माध्यम से उद्धारकर्ता को भेजा जाए।

-परमेश्वर ने जिस मनुष्य को चुना उसका नाम अब्राहम था।

-परमेश्वर ने अब्राहम के माध्यम से उद्धारकर्ता को भेजने का फैसला किया।

-परमेश्वर ने अब्राहम को किसके माध्यम से उद्धारकर्ता भेजने के लिए चुना?

-क्या परमेश्वर ने अब्राहम को इसलिए चुना क्योंकि अब्राहम ने पाप नहीं किया?

-नहीं।

-अब्राहम एक पापी था।

-अब्राहम आदम का वंशज था।

-अब्राम पाप में पैदा हुआ था।

-परमेश्वर ने अब्राम को क्यों चुना?

-अब्राम का मानना था कि परमेश्वर पवित्र थे।

-अब्राम का मानना था कि उसने पाप किया है।

-अब्राम का मानना था कि उसका पाप मृत्यु के योग्य है।

-अब्राम का मानना था कि सिर्फ परमेश्वर ही उसे बचा सकते हैं।

-अब्राम का मानना था कि परमेश्वर उद्धारकर्ता को भेजेंगे।

-क्योंकि अब्राम ईश्वर में विश्वास करता था, ईश्वर ने अब्राम के माध्यम से उद्धारकर्ता को भेजने का विकल्प चुना।

-अब्राम के पिता तेरह थे।

-तेरह शेम का वंशज था।

-क्या आपको नूह के पुत्रों के नाम याद हैं?

-शेम, हाम और येपेत।

-अब्राम शेम का वंशज था, जो नूह के पुत्रों में से एक था।

आइए पढ़ें उत्पत्ति 11:27 और 29-30

27-यह तेरह का लेखा है। तेरह से अब्राम, नाहोर और हारान उत्पन्न हुए।
और हारान लूत का पिता बना।

29-अब्राम और नाहोर दोनों ने शादी की। अब्राम की पत्नी का नाम सारै,
और नाहोर की पत्नी का नाम मिल्का था; वह हारान की बेटी थी, जो
मिल्का और इस्का दोनों का पिता था।

30 सारै बांझ थी; उसकी कोई संतान नहीं थी।

-एक दिन अब्राम ने शादी कर ली।

-अब्राम ने सराय नाम की महिला से शादी की।

-फिर भी, अब्राम और सारै के कोई संतान नहीं थी।

-अब्राम और सारै के कोई संतान क्यों नहीं थी?

-क्योंकि सराय बंजर थी।

-अब्राहम और सारे ऊर शहर में रहते थे।

-उर के लोग ईश्वर और उसकी सच्चाइयों पर विश्वास नहीं करते थे।

-उर के लोगों ने शैतान और उसके झूठ का अनुसरण किया।

-ऊर के लोग दुष्ट लोग थे।

-जब अब्राहम ऊर में रह रहा था, तब परमेश्वर अब्राहम को दिखाई दिया।

-यहाँ परमेश्वर ने अब्राहम से क्या कहा:

आइए पढ़ें उत्पत्ति 12:1

1- यहोवा ने अब्राहम से कहा था, “अपना देश, अपनी प्रजा और अपने पिता के घराने को छोड़कर उस देश में चला जा जो मैं तुझे दिखाऊंगा।”

-परमेश्वर ने अब्राहम से क्या करने को कहा?

-परमेश्वर ने अब्राहम से कहा कि वह अपना देश छोड़ दे, और जहाँ परमेश्वर उसे ले जाएगा वहाँ जाओ।

-परमेश्वर ने अब्राहम को ऊर और उसके देश को छोड़ने के लिए क्यों कहा?

-क्योंकि ऊर के लोग ईश्वर और उसकी सच्चाइयों पर विश्वास नहीं करते थे।

-क्योंकि ऊर के लोग केवल शैतान और उसके झूठ का अनुसरण करते थे।

-क्योंकि परमेश्वर खुद को ऐसे लोगों से अलग करना चाहते थे जो परमेश्वर में विश्वास करेंगे।

-परमेश्वर ने अब्राहम से कैसे बात की?

-परमेश्वर ने अब्राहम से अपनी आवाज से बात की।

-परमेश्वर ने अब्राहम से अपनी आवाज से बात की क्योंकि अब्राहम के जीवित रहते परमेश्वर की बाइबल अभी तक नहीं लिखी गई थी।

-परमेश्वर आज हमसे कैसे बात करते हैं?

-आज, परमेश्वर अक्सर अपनी आवाज से हमसे बात नहीं करते हैं।

-आज, परमेश्वर अक्सर अपनी बाइबल के माध्यम से हमसे बात करता है।

-हम परमेश्वर के वचनों को उनकी बाइबल में पढ़कर सुन सकते हैं।

-हम जान सकते हैं कि परमेश्वर अपने वचनों को बाइबल में पढ़कर हमसे क्या कहता है।

-जब परमेश्वर ने अब्राहम से बात की, तो परमेश्वर ने कुछ वादा किया।

-यहाँ वही है जो परमेश्वर ने अब्राहम से वादा किया था:

आइए पढ़ें उत्पत्ति 12:2

2 यहोवा ने अब्राहम से कहा, मैं तुझ से एक बड़ी जाति बनाऊंगा, और तुझे आशीष दूंगा; मैं तेरा नाम बड़ा करूंगा, और तू आशीष का कारण होगा।”

- परमेश्वर ने अब्राहम से क्या वादा किया था?

-सबसे पहले, परमेश्वर ने वादा किया कि अब्राहम के कई वंशज होंगे जो एक महान लोग बनेंगे।

- उस समय अब्राहम और सारे के कितने बच्चे थे?

-कोई नहीं।

- अब्राम और सारै के कोई संतान क्यों नहीं थी?

-क्योंकि अब्राम की पत्नी सारै बांझ थी।

-हालांकि अब्राम की कोई संतान नहीं थी, फिर भी परमेश्वर ने वादा किया कि अब्राम के कई वंशज होंगे।

-दूसरा, परमेश्वर ने वादा किया कि वह अब्राम को आशीर्वाद देगा।

-आइए पढ़ें कि परमेश्वर ने अब्राम से क्या वादा किया था:

आइए पढ़ें उत्पत्ति 12:3

3- यहोवा ने अब्राम से यह भी कहा, जो तुझे आशीर्वाद दें, उन्हें मैं आशीष दूंगा, और जो तुझे कोसें, मैं उसे शाप दूंगा; और पृथ्वी के सब लोग तेरे द्वारा आशीष पाएंगे।”

-तीसरा, परमेश्वर ने वादा किया कि वह अब्राम को आशीर्वाद देने वालों को आशीर्वाद देगा, और अब्राम को शाप देने वालों को शाप देगा।

-चौथा, परमेश्वर ने अब्राम के वंशजों में से एक के माध्यम से सभी लोगों को आशीष देने का वादा किया।

-यह वादा कि परमेश्वर अब्राहम के वंशजों में से एक के माध्यम से सभी लोगों को आशीष देगा, सभी का सबसे बड़ा वादा है।

- अब्राहम का वंशज कौन होगा, जिसके माध्यम से सभी लोगों को आशीर्वाद मिलेगा?

-रक्षक।

- उद्धारकर्ता क्या करेगा?

-उद्धारकर्ता पाप की शक्ति को हराने आएगा।

-मृत्यु की शक्ति को हराने के लिए उद्धारकर्ता आएगा।

-उद्धारकर्ता शैतान की शक्ति को हराने के लिए आएगा।

-उद्धारकर्ता परमेश्वर और लोगों को फिर से एक साथ लाने के लिए आएगा।

-उद्धारकर्ता शैतान को हराएगा, और दुनिया के सभी लोगों को आशीष देगा।

-क्या अब्राहम ने परमेश्वर के वादों पर विश्वास किया?

-हां।

-अब्राहम का मानना था कि परमेश्वर झूठ नहीं बोलेंगे।

-अब्राहम का मानना था कि ईश्वर केवल सच ही बताएगा।

-जब परमेश्वर ने अब्राहम से अपने वादे किए, तो अब्राहम ने क्या किया?

आइए पढ़ें उत्पत्ति 12:4-5

4 तब अब्राहम चला गया, जैसा यहोवा ने उस से कहा था; और लूट उसके साथ चला गया। जब अब्राहम हारान से निकला, तब वह पचहत्तर वर्ष का था।

5 और वह अपनी पत्नी सारै, और अपने भतीजे लूत को, और जो कुछ उन्होंने इकट्ठा किया था, और जो सब लोगोंने हारान में अर्जित किया था, उन सब को लेकर वे कनान देश को कूच करके वहां पहुंचे।

-अब्राहम उस देश को छोड़कर जहां वह रहता था, और परमेश्वर के पीछे उस देश में चला गया जहां परमेश्वर उसकी अगुवाई कर रहा था।

-परमेश्वर ने अब्राहम को कहाँ ले जाया?

-परमेश्वर अब्राहम को कनान नामक एक नई भूमि पर ले गया।

-अगले पाठ में, हम सीखेंगे कि कनान देश में अब्राहम के साथ क्या हुआ।